

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बतौर फाइनेंसर इनवॉइसमार्ट के साथ समझौता किया

मुंबई । अग्रणी डिजिटल इनवॉइस डिस्काल्डिंग मार्केटप्लेस इनवॉइसमार्ट ने मध्य और लघु उद्यमों (एमएसएमई) को बिल डिस्काउंटिंग देने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से समझौता किया है। यूनियन बैंक के हालिया संकलन के बाद ट्रेड्स प्लेटफॉर्म पर फाइनेंसर्स की कुल संख्या 14 हो गई है।

इस अवसर पर ए.ट्रेड्स लिमिटेड के सीईओ और एमडी श्री कल्याण बसु ने कहा "इनवॉइसमार्ट को अपने प्लेटफॉर्म पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को बतौर फाइनेंसर पाकर खुशी हो रही है। हम देश के एमएसएमईज को मजबूत बनाने के हमारे प्रयास में उनका अतुलनीय सहयोग पाने के लिए तत्पर हैं। फाइनेंसर्स फैक्ट रिंग इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण घटक है और वे एमएसएमईज को बेहद जरूरी कार्यशील पूंजी प्रदान करते हैं। टीम कार्यशील पूंजी फाइनेंस पाने में एमएसएमईज की



चुनौतियों और वित्तीय पारितंत्र में मौजूद सिस्टेमिक अंतर को समझती है। तकनीक की मदद से हम इस अंतर को कम करने का प्रयास कर रहे हैं जिसने संस्थागत लेंडर्स को छोटे व्यावसायों तक पहुंचने से रोक रखा है। इसके पीछे मुख्य कारण ऑफलाइन चैनलों के जरिये अधिग्रहण की उच्च लागत का होना है।"

श्री ए.के.गोयल, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक ने कहा "हमें ट्रेड्स प्लेटफॉर्म के तौर पर इनवॉइसमार्ट के साथ साझेदारी कर खुशी हो रही है। इस मंच ने एमएसएमईज को पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी कीमतों में तत्काल ट्रेड फाइनेंसिंग तक

पहुंच मुहैया कराने में अपनी प्रमाणिकता साबित की है। यह हमारे बैंक के लिए भी अपने वित्तीय एक्सटेंडर को बढ़ाने का एक शानदार अवसर है क्योंकि ऋण प्रॉयारिटी सेक्टर लेंडिंग के तहत कवर हो जायेगा।"